भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या - 3350
दिनांक 08.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

मध्य पूर्व के संघर्ष में प्रतिबद्धता

3350. **डॉ. मल्लू रवि:**
क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) इज़राइल-ईरान तनाव के बीच मध्य पूर्व की शांति प्रक्रिया में भारत की भूमिका का ब्यौरा क्या है; और
(ख) मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित विशिष्ट प्रस्तावों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
[श्री कीर्तवर्धन सिंह]

(क) और (ख) हाल ही में हुए इजराइल-ईरान युद्ध को देखते हुए, भारत ने दोनों पक्षों से किसी भी वृद्धिकारक कदम से बचने और तनाव स्थित को कम करने तथा अंतर्निहित मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत और राजनयिक के मौजूदा माध्यमों का उपयोग करने का आग्रह किया।
भारत ने 24 जून 2025 को इजराइल और ईरान के बीच हुए युद्ध विराम का स्वागत किया और दोहराया कि क्षेत्र में विभिन्न युद्धों को सुलझाने के लिए बातचीत और राजनयिक चैनलों के अलावा कोई विकल्प नहीं है तथा भारत इन प्रयासों में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 13 जून 2025 को इज़राइल के प्रधानमंत्री महामहिम श्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की और भारत की चिंताओं को साझा करते हुए क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने 22 जून 2025 को ईरान के राष्ट्रपति महामहिम श्री मसूद पेजेशकियन से भी बात की और तत्काल तनाव कम करने और आगे बातचीत तथा राजनयिक चैनलों को रास्ता अपनाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के समर्थन को दोहराया।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने 13 जून 2025 को इज़राइल के विदेश मंत्री महामहिम श्री गिदोन सार तथा 13 एवं 27 जून 2025 को ईरान के विदेश मंत्री महामहिम श्री अब्बास अराघची से भी बात की और भारत के रुख और संदेश को दोहराया। विदेश मंत्री ने 7 जुलाई 2025 को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और 15 जुलाई 2025 को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक के दौरान ईरान के विदेश मंत्री से मुलाकात की।

*****